Course Title : आधुनिक हिन्दी काव्य (भाग-1, 1936 तक)

Course Code : MAHN101CCT

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. आधुनिकता और आधुनिक बोध से परिचय कराना।
2. आधुनिक हिंदी कवियों और उनकी रचनाओं से परचित कराना।
3. भारतेन्दुयुगीन कविताओं से लेकर छायावादी कविता की प्रवृत्तियों और परिस्थितियों से अवगत कराना।

Course Outcomes:

1. विद्यार्थी, आधुनिक कविता के महत्त्व को जान सकेंगे।

2. इसके द्वारा लेखकों से अवगत होंगे और आधुनिक हिंदी की श्रेष्ठ रचनाओं से परिचित होंगे।

3. हिंदी साहित्य के काल विभाजन को जान पाएंगे।

खंड-I	**आधुनिक हिंदी काव्य : छायावाद पर्यंत**	**Instruction Hours**
इकाई	1. आधुनिकता और आधुनिक बोध 2. भारतेन्दुयुगीन कविता : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ 3. द्विवेदीयुगीन कविता : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ 4. छायावादी कविता : परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ	15
खंड-II	**भारतेंदु युग और द्विवेदी युग**	
इकाई	5. भारतेंदु हरिश्चंद्र : एक परिचय 6. कहाँ करुणा निधि केशव सोए और मातृभाषा प्रेम 7. मैथिलीशरण गुप्त : एक परिचय 8. 'साकेत' नवं सर्ग (दस चयनित अंश)	15
खंड-III	**छायावाद**	

इकाई	9. जयशंकर प्रसाद : एक परिचय 10. कामायनी : चयनित अंश (चिंता ओ चिंता...... मीन हुए) श्रद्धा : चयनित अंश (कौन तुम.....रजनी में) 11. निराला : एक परिचय 12. राम की शक्तिपूजा (रवि हुआ अस्त...... कंपन तुरिय)	15
खंड-IV	**काव्यालोचन**	
इकाई	13. सुमित्रा नन्दन पन्त : एक परिचय 14. 'पल्लव' की आलोचना 15. महादेवी वर्मा : एक परिचय 16. रश्मि की आलोचना	

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	
2	साकेत : मैथिलीशरण गुप्त
3	कविवर मैथिलीशरण गुप्त और साकेत : ब्रज मोहन शर्मा
4	कामायनी : जयशंकर प्रसाद
5	कामायनी : एक पुनर्विचार : गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
6	जयशंकर प्रसाद वस्तु और कला : रामेश्वरलाल खंडेलवाल
7	राम की शक्तिपूजा : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
8.	निराला : रामविलास शर्मा
	सुमित्रानंदन पन्त : पल्लव
10.	https://www.hindisamay.com
11.	http://kavitakosh.org

Course Title : प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Code : MAHN104CCT

Scheme of Instruction

Total Duration	:	60 Hrs.
Periods / Week	:	4
Credits	:	4
Instruction Mode	:	Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score	:	100
Internal Evaluation	:	30
End Semester	:	70
Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. हिंदी भाषा के व्यावहारिक रूप को अधिक उजागर कराना।
2. विविध प्रयुक्तियों जैसे- कामकाजी हिंदी, व्यावहारिक हिंदी और पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।
3. हिंदी के राष्ट्रीय-अन्तराष्ट्रीय स्वरूप से परिचित कराना।
4. मीडिया की हिंदी से परिचित कराना।

Course Outcomes:

1. विद्यार्थी, प्रयोजनमूलक हिंदी के महत्त्व को समझेंगे.

2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध प्रयोगों से अवगत होंगे.

3. राजभाषा तथा हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे.

	खंड-1 **प्रयोजनमूलक हिंदी**	**Instruction Hours**
इकाई	1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ, परिभाषा और क्षेत्र 2. हिन्दी का क्षेत्र : राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संदर्भ और राष्ट्रभाषा, राज्य भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा और शिक्षा-माध्यम भाषा। 3. प्रयुक्ति का अर्थ और प्रकार 4. प्रयोजनमूलक हिन्दी की विविध प्रयुक्तियाँ	15
	खंड-II **प्रमुख प्रयुक्ति क्षेत्र**	

इकाई	5. कार्यालयी हिन्दी- प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप 6. टिप्पणी लेखन, मसौदा लेखन, बैठकें और प्रतिवेदन लेखन,संक्षेपण और सार लेखन 7. वैज्ञानिक- भौतिक, रसायन और जीव विज्ञान में हिंदी 8. चिकित्सा, तकनीकि और व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी	15
	खंड-III **व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी**	
इकाई	9. बैंकिंग क्षेत्र में हिंदी 10. विधि क्षेत्र में हिंदी 11. रेलवे में हिंदी 12. विज्ञापन और हिंदी	15
	खंड-IV **जनसंचार माध्यम में हिंदी**	
इकाई	13. जनसंचार माध्यम में हिंदी 14. जनसंचार माध्यम के विविध आयाम- मुद्रण माध्यम, श्रव्य माध्यम, दृश्य माध्यम, संपादन कला और साक्षात्कार 15. इन्टरनेट, कंप्यूटर के क्षेत्र में हिंदी, मोबाइल आदि 16. जनसंचार माध्यम के विविध रूप- समाचार लेखन और हिंदी	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयी हिन्दी : डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
2	प्रयोजनमूलक हिंदी तथा भाषा कंप्यूटिंग : संपादक- डॉ.जमादर एम.एच. प्रो.जान अहमद.के.जे.
3	प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. नरेश मिश्र
4	हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
5	प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा पत्रकारिता : गोवर्धन ठाकुर
6	प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम : डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय
7	प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद : प्रो. तेजस्वी कट्टीमनी

Course Title : हिन्दी साहित्य का इतिहास

**Course Code : ** MAHN103CCT

Scheme of Instruction
Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination
Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. हिंदी साहित्य के इतिहास और उसके काल विभाजन से परिचित कराना।
2. हिंदी साहित्य के प्रमुख रचनाकारों तथा उनकी मुख्य रचनाओं से परिचित कराना।
3. काल विभाजन के औचित्य को समझाना।
4. साहित्य की प्रवृत्तियों से परचित कराना।

Course Outcomes:

1. विद्यार्थी, हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के महत्त्व को जानेंगे।
3. हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखकों से परिचित होंगे।

खंड-I	**हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. साहित्येतिहास की कल्पना और हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा 2. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन, नामकरण और सीमांकन	15
खंड-II	**आदिकाल**	
	इकाई 3. आदिकाल की परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ 4. आदिकालीन साहित्य- सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य 5. रासो साहित्य, रासो साहित्य की काव्यगत विशेषताएँ, आदिकालीन गद्य साहित्य 6. आदिकाल के प्रमुख साहित्यकार- सरहपा, गोरखनाथ, हेमचन्द्र, चंदबरदाई, अमीर खुसरो और विद्यापति	15
खंड-III	**मध्यकाल (भक्तिकाल और रीतिकाल)**	
	इकाई 7. भक्ति आन्दोलन के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य, भक्तिकाल के प्रमुख आचार्य एवं संत 8. निर्गुण भक्ति साहित्य : संत साहित्य और सूफी साहित्य की काव्यगत विशेषताएँ	15

	9. सगुन भक्ति साहित्य : रामभक्ति शाखा और कृष्ण भक्ति शाखा की काव्यगत विशेषताएँ 10. भक्तिकाल के प्रमुख साहित्यकार : कबीरदास, रविदास, गुरु नानक, दादू दयाल, मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, मलिक मोहम्मद जायसी, सूरदास, रसखान, मीराँबाई, नंददास, तुलसीदास और रहीम 11. रीतिकाल की परिस्थितियाँ, उत्तर मध्यकालीन काव्यबोध, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ 12. रीतिकाल की प्रमुख काव्य-रीति : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त की विशेषताएँ	
खंड-IV	**आधुनिक काल**	
	इकाई 13. आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ, परिस्थितियाँ, स्वतन्त्रतापूर्व आधुनिक हिंदी साहित्य, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद 14. स्वातंत्र्योत्तर आधुनिक हिंदी साहित्य- नई कविता, नई कहानी, साठोत्तरी हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ 15. समकालीन हिंदी साहित्य के विमर्श- स्त्री, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक विमर्श 16. किसान,तृतीय लिंग का विमर्श, बाल मज़दूर, प्रवासी साहित्य के मुद्दे, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी विमर्श	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : नगेंद्र
3	हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4	हिन्दी साहित्य की भूमिक : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
5	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : बच्चन सिंह
6	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
7	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास(भाग-2) : गणपति चंद्र गुप्त
8	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार शर्मा
9	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
10	https://www.hindisamay.com
11	http://kavitakosh.org

Course Title : आधुनिक हिन्दी गद्य

Course Code: MAHN102CCT

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. आधुनिक काल की गद्य के इतिहास से परिचित कराना।
2. आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं के अंतर को स्पष्ट कराना।
3. निर्धारित गद्य विधाओं की समीक्षा कराना और विद्यार्थियों की समीक्षा दृष्टि का विकास कराना

Course Outcomes

1. आधुनिक हिंदी गद्य के महत्त्व से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थियों में साहित्य और जीवन को समझने की संवेदना का उदय संभव हो सकेगा।
3. मानवता के उदय होने से ज़िन्दगी को समझने की दृष्टि का विकास हो सकेगा।

खंड-I	**आधुनिक हिंदी गद्य का इतिहास और निबंध**	**Instruction Hours**
इकाई	1. आधुनिक हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 2. आधुनिक हिंदी गद्य की विधाएँ 3. शुक्ल : एक परिचय 4. करुणा	15
खंड-II	**स्मृति आधारित गद्य विधाएँ**	
इकाई	5. महादेवी वर्मा : एक परिचय 6. घीसा 7. उग्र : एक परिचय 8. अपनी खबर (प्रथम अंश)	15
खंड-III	**हिंदी उपन्यास : रंगभूमि**	

इकाई	9. प्रेमचंद पर्यन्त हिंदी उपन्यास 10. प्रेमचंद : एक परिचय 11. रंगभूमि : कथानक 12. रंगभूमि : एक सामाजिक उपन्यास	15
खंड-IV	**हिंदी उपन्यास : राग दरबारी**	
	13. प्रेमचंदोत्तर हिंदी उपन्यास 14. श्रीलाल शुक्ल 15. राग दरबारी : कथानक 16. राग दरबारी : एक व्यंग्यात्मक उपन्यास	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	हिंदी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी
2	अतीत के चलचित्र : महादेवी वर्मा
3	अपनी खबर : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
4	रंगभूमि : प्रेमचंद
5	राग दरबारी : श्रीलाल शुक्ल
6	प्रेमचन्द और उनका युग :रामविलास शर्मा
7	कलम का सिपाही : अमृत राय
8	राग दरबारी : सं. मधुरेश
9	गद्य की नई विधाओं का विकास : माजदा असद
10	आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
11	प्रेमचंद का कथा संसार : सं. डॉ. बादामसिंह रावत
12	प्रेमचंद के साहित्य में व्यक्ति और समाज : डॉ. रक्षा पुरी
13	साहित्य के नए रुप : डॉ. श्याम सुन्दर
14	https://www.hindisamay.com

Course Title : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Code : PGHN101GET

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

हिंदी साहित्य का इतिहास के अंतर्गत छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रचलित श्रेष्ठ रचनाकारों और रचनाओं का परिचय कराना। उनके साहित्य एवं इतिहास को बताना उनकी विशेषताओं को समझाना इसका उद्देश्य है।

Course Outcomes:

छात्र इसके माध्यम से रचनाओं, रचनाकार और उनके इतिहास से अवगत होंगे, हिंदी की श्रेष्ठ रचनाओं का परिचय ग्रहण करेंगे।

Unit	Course Content	Instruction Hours
I	**हिन्दी भाषा का इतिहास** हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण, प्रवृत्तियाँ हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि : सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन काव्य	15
II	**1. भक्ति आंदोलन- प्रवृत्तियाँ** 2. निर्गुण भक्ति काव्य धारा : ज्ञानमार्गी शाखा, प्रेममार्गी काव्य धारा (प्रमुख प्रवृत्तियाँ और काव्य) 3. सगुण भक्ति काव्य धारा : राम और कृष्ण भक्ति काव्य (प्रमुख प्रवृत्तियाँ और काव्य)	15
III	**रीति काल :** रीति बद्ध, रीति सिद्ध और रीति मुक्त कवि और उनके काव्य, प्रवृत्तियाँ।	15
IV	**आधुनिक काल :** सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि 1. भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालमुकुंद गुप्त, प्रतापनारायण मिश्र, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। 2. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी, मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, सरदार पूर्णसिंह रचानाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ। 3. छायावादी युग : प्रमुख साहित्यकार जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा। 4. उत्तर छायावादी काव्य : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता। 5. हिन्दी गद्य की : कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण,प्रमुख विधाएँ रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी , रिपोर्ताज आदि।	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30
End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:	
1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : नगेंद्र
3	हिन्दी साहित्य का आदिकालv : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4	हिन्दी साहित्य की भूमिक : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
5	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : बच्चन सिंह
6	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
7	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास(2-भाग) : गणपति चंद्र गुप्त
8	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार शर्मा
9	हिन्दी साहित्यः उद्भव और विकास : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

Course Title : आधुनिक हिन्दी काव्य (भाग- 2, 1936 के बाद)

Course Code : MAHN201CCT

Scheme of Instruction

Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. 1936 के बाद हिंदी काव्यान्दोलनों से परिचित कराना।
2. कविता के सन्दर्भ को समस्याओं से जोड़कर दर्शाना।
3. काव्यालोचना के विविध पक्षों को दर्शाना।

Course Outcomes:

1. विद्यार्थी, आधुनिक हिंदी काव्य के महत्त्व को समझेंगे।

2. आधुनिक हिंदी काव्य के विविध रूपों को जान पाएंगे।

3. स्वतन्त्रतापूर्व और स्वातंत्र्योत्तर सामाजिक परिस्थिति से अवगत होंगे।

खंड-I **आधुनिक हिंदी काव्य- अज्ञेय और केदारनाथ अग्रवाल**		**Instruction Hours**
इकाई	1. आधुनिक हिंदी काव्य का परिचय 2. अज्ञेय : एक परिचय 3. अज्ञेय की दो प्रतिनिधि कविताएँ (सन्दर्भ एवं व्याख्या) i. नदी के द्वीप ii. कितनी नावों में कितनी बार 4. केदारनाथ अग्रवाल : एक परिचय 5. केदारनाथ अग्रवाल की पाँच प्रतिनिधि कविताएँ (सन्दर्भ एवं व्याख्या) i. बाप बेटा बेचता है ii. जनता iii. धरती iv. आग जले इस रामराज्य में v. आयोग	15
खंड-II		

<table>
<tr><td colspan="3">आधुनिक हिंदी काव्य- नागार्जुन और रघुवीर सहाय</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td>6. नागार्जुन : एक परिचय
7. नागार्जुन की पाँच प्रतिनिधि कविताएँ (सन्दर्भ एवं व्याख्या)
i. वो हमें चेतावनी देने आए थे
ii. बाघ आया उस रात
iii. बहुत दिनों के बाद
iv. अकाल और उसके बाद
v. आए दिन
8. रघुवीर सहाय : एक परिचय
9. रघुवीर सहाय की पाँच प्रतिनिधि कविताएँ (सन्दर्भ एवं व्याख्या)
i. मौका
ii. पराजय
iii. इतिहास
iv. उसकी ऊब
v. हिंदुस्तानी अमीर</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="3">खंड-III
काव्यालोचन भाग-1 : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना</td></tr>
<tr><td></td><td>10. आलोचना : एक परिचय
11. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : एक परिचय
12. जंगल का दर्द (आलोचना)</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="3">खंड-IV
काव्यालोचन भाग-2 : धूमिल और मुक्तिबोध</td></tr>
<tr><td>इकाई</td><td>13. धूमिल : एक परिचय
14. संसद से सड़क तक (आलोचना)
15. मुक्ति बोध : एक परिचय
16. अंधेरे में (आलोचना)</td><td>15</td></tr>
<tr><td colspan="3">Examination and Evaluation Pattern:
Internal Evaluation — Maximum Marks : 30
End Semester Exam — Maximum Marks : 70</td></tr>
<tr><td colspan="3">Text Books and References:</td></tr>
<tr><td>1</td><td colspan="2">अज्ञेय की काव्य चेतना : डॉ. कृष्ण भावुक</td></tr>
<tr><td>2</td><td colspan="2">आधुनिक कवि : विश्वम्भर ‘मानव’</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="2">संसद से सड़क तक : धूमिल</td></tr>
<tr><td>4</td><td colspan="2">जंगल का दर्द : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना</td></tr>
</table>

5	कविता के नए प्रतिमान
6	आधुनिक हिन्दी काव्य के नवरत्न : रमेश शर्मा
7	रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
8	आलोचना का जनपक्ष : चंद्रबली सिंह
9	केदरनाथ अग्रवाल का काव्य-एक अनुशीलन : डॉ. जगदीश पटेल
10	नागार्जुन के काव्य में जनवादी चेतना : डॉ. त्रिवेणी झा
11	नई कविता और रघुवीर सहाय का काव्य : डॉ. अजित तिवारी
12	http://kavitakosh.org

Course Title : मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Code : MAHN202CCT

Scheme of Instruction

Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. मध्यकाल के प्रमुख भेदों भक्तिकाल-रीतिकाल का परिचय कराना।
2. मध्यकाल के प्रमुख रचनाकारों और मुख्य रचनाओं से परिचय करना।
3. मध्यकाल की परिस्थितियों और प्रवृत्ति से परिचित कराना।

Course Outcomes :

1. विद्यार्थी, मध्यकालीन हिंदी कविता के महत्त्व को समझेंगे।
2. मध्यकालीन समाज और साहित्य से परिचित होंगे।
3. मध्यकाल के महत्वपूर्ण कवियों जैसे भक्तिकालीन संत सूफी तथा रीतिकालीन कवियों से परिचित होंगे।

खंड1 -	**मध्यकालीन हिंदी काव्य :सामान्य परिचय**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. निर्गुण भक्ति काव्य 2. सगुण भक्ति काव्य 3. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य 4. रीतिमुक्त काव्य	15
खंड2 -	**निर्गुण भक्ति काव्य**	

	इकाई 5. कबीरदास, रैदास और मलिक मोहम्मद जायसी : एक परिचय 6. कबीरदास : 10 दोहे (गुरुदेव कौ अंग तथा तीन पद (सं. श्यामसुन्दरदास कबीर ग्रंथावली- 1,8,11) 7. रैदास : आरंभ के पांच पद (सं. सुखदेव सिंह) 8. मलिक मोहम्मद जायसी : नागमती वियोग खंड 4,5,6,7 और 8 (अंश)	15
खंड-III	**सगुण भक्ति और रीतिकाव्य**	
	इकाई 9. सूरदास, तुलसीदास और बिहारी : एक परिचय 10. सूरदास : भ्रमरगीत सार- 5 पद (2, 23, 34, 42, 64) 11. तुलसीदास : सुन्दरकाण्ड (आरंभ से पांच तक-दोहे) 12. बिहारी : आरंभ के दस दोहे (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)	15
खंड-IV	**काव्यालोचन**	
	इकाई 13. रहीम 14. रसखान 15. मीराबाई 16. घनानंद	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
2	हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3	कबीर : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4	संत रैदास : योगेन्द्र सिंह
5	त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6	तुलसी की साधना : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7	मीराँ की काव्य साधना : राम प्रकाश
8	जायसी : विजय देव नारायण साही
9	मीराँ : विश्वनाथ
10	बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
11	http://kavitakosh.org

Course Title : हिन्दी कथा साहित्य

Course Code: MAHN203CCT

Scheme of Instruction

Total Duration : 60 Hrs

Periods / Week : 4

Credits : 4

Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score : 100

Internal Evaluation : 30

End Semester : 70

Exam Duration : 3Hrs

Course Objectives:

1. उपन्यास और कहानी के इतिहास को दर्शाना
2. उपन्यास और कहानियों को सन्दर्भ के अनुसार जोड़कर बताना।
3. प्रमुख रचनाकारों और मुख्य रचनाओं से परिचय करवाना।

Course Outcomes:

1. हिंदी कथा साहित्य के महत्त्व को समझेंगे.

2. महत्वपूर्ण रचनाकारों, रचनाओं तथा तत्कालीन समाज से अवगत होंगे.

3. सामाजिक सन्दर्भ के अनुसार रचनाओं का विश्लेषण कर पाएंगे.

खंड-I	**कथा साहित्य का विकास और 'दिव्या'**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास 2. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास 3. दिव्या : तात्विक विवेचन 4. दिव्या : चेतना और विमर्श	15
खंड-II	**शेखर : एक जीवनी और मैला आँचल**	
	इकाई	15

	5. शेखर : एक जीवनी : तात्विक विवेचन 6. शेखर : एक जीवनी : चेतना और विमर्श 7. मैला आँचल : तात्विक विवेचन 8. मैला आँचल : चेतना और विमर्श	
खंड-III	**चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' और प्रेमचंद**	
	इकाई 9. चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' : एक परिचय 10. उसने कहा था : तात्विक विवेचन 11. प्रेमचंद : एक परिचय 12. ईदगाह : तात्विक विवेचन	15
खंड-IV	**जयप्रकाश कर्दम और महरुन्निसा परवेज़**	
	इकाई 13. जयप्रकाश कर्दम : एक परिचय 14. तलाश : तात्विक विवेचन 15. मेहरुन्निसा परवेज़ : एक परिचय 16. पत्थर वाली गली : तात्विक विवेचन	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References :

1	हिंदी उपन्यास का समाजशास्त्र : गरिमा श्रीवास्तव
2	हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
3	दिव्या : यशपाल
4	शेखर : एक जीवनी : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
5	मैला आँचल : फणीश्वरनाथ 'रेणु'

6	तलाश कहानी संग्रह : जयप्रकाश कर्दम
7	कथाकार प्रेमचंद : सं. रामदरश मिश्र, डॉ. ज्ञानचंद गुप्त
8	भारतीय स्त्री: संस्कृति संदर्भ : डॉ. प्रतिभा जैन
9	नारी संघर्ष नाम : रेखा कोकिया
10	परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय
11	भारतीय नारी दशा और दिशा : आशारानी व्होरा
12	हिंदी कहानी एक नई दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान
13	हिंदी उपन्यास तीन दशक : राजेंद्र अवस्थी
14	https://www.hindisamay.com

Course Title : हिन्दी नाटक, एकांकी और रंगमंच

Course Code: MAHN204CCT

Scheme of Instruction
Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination
Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. नाटक के माध्यम से अनेकों परिवर्तन होते हैं। इसके विषय में जानकारी देना।
2. हिंदी नाटक, एकांकी और रंगमंच से अवगत कराना।
3. इसके सकारात्मक उपयोग क्या हो सकते है? इसे स्पष्ट किया जायेगा।

Course Outcomes:

1. हिंदी नाटक, एकांकी और रंगमंच के महत्त्व को समझेंगे.
2. हिंदी नाटकों, नाटककारों और निर्देशकों से परिचित होंगे.
3. साहित्य, नाटक और रंगमंच के परस्पर संबंधों को जान पाएंगे.
4. दृश्य माध्यम के प्रभाव को समझ पाएंगे.

खंड-1	**हिंदी नाटक, एकांकी और रंगमंच**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास 2. हिंदी एकांकी का उद्भव और विकास 3. हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास 4. नुक्कड़ नाटक का उद्भव और विकास	15
खंड-II	**जयशंकर प्रसाद और धर्मवीर भारती**	
	इकाई 5. जयशंकर प्रसाद : एक परिचय 6. स्कंदगुप्त 7. धर्मवीर भारती : एक परिचय 8. अंधायुग	15
खंड-III	**मृणाल पाण्डेय और असगर वजाहत**	

	इकाई 9. मृणाल पाण्डेय : एक परिचय 10. चोर निकल कर भागा 11. असगर वजाहत : एक परिचय 12. गोडसे @ गाँधी.कॉम	15
खंड-IV	**एकांकी और नुक्कड़ नाटक**	
	इकाई 13. जगदीशचंद्र माथुर : एक परिचय 14. रीढ़ की हड्डी 15. सफ़दर हाश्मी : एक परिचय 16. अपहरण भाईचारे का	15

Examination and Evaluation Pattern:
Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	हिन्दी नाटक और रंगमंच : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
2	स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3	अँधायुग : धर्मवीर भारती
4	चोर निकलकर भागा
5	गोडसे@गाँधी.कॉम : असग़र वजाहत
6	भारतेंदुकालीन नाट्य साहित्य : डॉ. गोपीनाथ तिवारी
7	हिन्दी रंग मंच का इतिहास : डॉ. चंदूलाल दुबे
8	हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
9	रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल
10	आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेंद्र
11	हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह
12	आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल

13	हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार
14	हिन्दी नाटक और रंगमंच : पवन कुमार मिश्र
15	रंग दस्तावेज़ (भाग-1,2) : महेश आनंद
16	रंग परंपरा : जयदेव तनेजा
17	नुक्कड़ नाटक-रचना और प्रस्तुति : प्रज्ञा
18	सफ़दर : सफ़दर हाशमी
19	हिंदी नाटक का आत्म संघर्ष : गिरीश रस्तोगी
20	https://www.hindisamay.com

Course Title : भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code: MAHN301CCT

Scheme of Instruction

Total Duration	:	60 Hrs
Periods / Week	:	4
Credits	:	4
Instruction Mode	:	Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score	:	100
Internal Evaluation	:	30
End Semester	:	70
Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. विद्यार्थियों को भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विविध पक्षों से अवगत कराना।
2. सैद्धांतिक विवेचना, आलोचना, समालोचना तथा समीक्षा आदि से अवगत कराना
3. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के के तुलनात्मक अध्ययन का परिचय करवाना।

Course Outcomes:

1. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र के महत्त्व को समझेंगे.

2. भारतीय साहित्य पर पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रभाव से परिचित होंगे.

3. भारतीय काव्यशास्त्र के महत्त्व के साथ-साथ भारतीय कविता को समझ सकेंगे.

खंड-I	**भारतीय काव्यशास्त्र-1**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. भारतीय काव्यशास्त्र : ऐतिहासिक विकास 2. रस संप्रदाय 3. अलंकार संप्रदाय 4. रीति संप्रदाय	15
खंड-II	**भारतीय काव्यशास्त्र-2**	
	5. ध्वनि संप्रदाय 6. वक्रोक्ति संप्रदाय 7. औचित्य संप्रदाय	15
खंड-III	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	
III	**इकाई** 9. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत	15

	10. लोंजाइनस का काव्य में उदात्त तत्व 11. कालरिज़ का कल्पना सिध्दांत 12. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद	
खंड-IV	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र- 2**	
IV	**इकाई** 13. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत 14. इलियट का निर्व्यक्तिकता का सिद्धांत 15. अस्तित्ववाद, 16. मार्क्सवाद	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत : गणपतिचंद्र गुप्त
2	भारतीय एवं पाश्चात्य : गोपीवल्लभ नेमा
3	भारतीय एवं पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र : वेदप्रकाश जुनेजा
4	भारतीय कला एवं संस्कृति की भूमिका : भगवतशरण उपाध्याय
5	भारतीय कला दृष्टि : सच्चिदानंद वात्स्यायन
6	भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन : विश्वंभरनाथ उपाध्याय
7	भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा : नगेन्द्र,
8	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : नगेन्द्र
9	भारतीय काव्यशास्त्र के नये आयाम : मनोहर काले
10	भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धांत : राजवंश सहाय
11	भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान : जगदीश प्रसाद कौशिक
12	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : मकबरलाल शर्मा
13	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत : कृष्णदेव झारी
14	भारतीय काव्यशास्त्र : सुरेश अग्रवाल
15	भारतीय काव्यशास्त्र : परंपरा एवं सिद्धांत : हरिमोहन
16	भारतीय काव्य सिद्धांतों का सर्वेक्षण : सत्यदेव चौधरी
17	भारतीय समीक्षा : नगेन्द्र

18	भारतीय साहित्यशास्त्र : देव उपाध्याय
19	भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : राजवंश सहाय
20	संस्कृत काव्यशास्त्र में व्यावहारिक समीक्षा : देवदत्त कौशिक
21	अरस्तू का त्रासदी विवेचन : देवदत्त कौशिक
22	अरस्तू का काव्यशास्त्र : नगेन्द्र
23	भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी
24	अलंकार मुक्तावली : देवेन्द्रनाथ शर्मा
25	छन्दोदर्पण : गौरीशंकर मिश्र द्विजेन्द्र
26	अलंकार मीमांसा : मनोहर प्रसाद सिंह
27	साहित्य सिद्धांत : रेने वेलेक, आस्टिन वारेन

Course Title : शोध प्रविधि

Course Code: MAHN302CCT

Scheme of Instruction

Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. विद्यार्थियों को शोध प्रविधि के महत्त्व से परिचित कराना।
2. शोध की परिभाषा, स्वरूप, साहित्यिक शोध एवं वैज्ञानिक शोध के अंतर दर्शाना।
3. निर्देशक और शोध के प्रक्रिया से अवगत कराना।
4. शोध के अनेक प्रकारों की जानकारी देना।

Course Outcomes:

1. विद्यार्थी, शोध प्राविधि के महत्त्व को समझेंगे.

2. शोध की प्राविधि और प्रक्रिया जानने के बाद शोध कर सकेंगे.

3. विषय के अनुसार शोध प्रक्रिया को समझ सकेंगे.

खंड-1	**Course Content**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. शोध : परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व 2. साहित्यिक शोध और वैज्ञानिक शोध 3. साहित्यिक शोध के प्रकार 4. शोध की पद्धतियाँ	15
खंड-II		
	इकाई 5. शोध और आलोचना 6. शोध प्रयोजन 7. निर्देशक की पात्रता एवं उत्तरदायित्व 8. शोधार्थी की पात्रता	15

खंड-III		
	इकाई 9. विषय चयन : शोध समस्या का निर्धारण 10. रूपरेखा 11. सामग्री : स्त्रोत एवं संकलन 12. वर्गीकरण और विश्लेषण	15
खंड-IV	इकाई 13. प्रश्नावली एवं साक्षात्कार 14. उद्धरण एवं सन्दर्भ की पद्धतियाँ 15. शोध प्रबंध लेखन 16. हिंदी में शोध की संभावनाएं	
		15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	अनुसन्धान का स्वरूप : सं. डॉ. सावित्री सिन्हा
2	अनुसन्धान की प्रक्रिया : डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
3	अनुसन्धान के मूल तत्व : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4	शोध प्रविधि : डॉ. विनय मोहन शर्मा
5	शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका : डॉ. सरनाम सिंह शर्मा
6	अनुसन्धान का विवेचन : डॉ. उदय भानु सिंह
7	साहित्यिक शोध के सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. देवराज उपाध्याय एवं डॉ. रामगोपाल शर्मा
8	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया : डॉ. चंद्रभान रावत, डॉ. रामकुमार खंडेलवाल
9	अनुसन्धान : डॉ. सत्येन्द्र
10	शोध तत्व और दृष्टि : सं. डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
11	सम्भावना शोध विशेषांक : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा प्रकाशित
12	हिंदी अनुसन्धान का स्वरूप : सं. डॉ. म.ह. राजूरकर, राजमल बोरा
13	अनुसन्धान का व्यावहारिक स्वरूप : डॉ. उर्वशी सूरती
14	हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा : मनमोहन सहगल
15	तुलनात्मक अनुसन्धान की समस्याएँ : डॉ. गुलाम रसूल
16	साहित्यिक अनुसन्धान के आयाम : डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन
17	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया : डॉ. शशिभूषण सिंहल
18	अनुसन्धान प्रविधि और प्रक्रिया : एस.एन. गणेशन

19	हिंदी अनुसन्धान : विजयपाल सिंह
20	Introduction to Research : T. Hallway
21	The strategy of Research : Siogeorge P. Thompso
22	The Art of Scientific Research : W.I.B. Beralidge
23	How to find them a guide to Research : W.A. Bagle
24	Nature of scientific revolution : Thomas Kuhn
25	The scholar Critic : F.W. Batesaw

Course Title : भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

Course Code: MAHN303CCT

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा के विकास के महत्त्व से परिचय कराना।
2. भाषाई कौशल विकास से परिचित कराना।
3. इसके माध्यम से भाषा विज्ञान एवं विभिन्न भाषाओँ के विकास से अवगत कराना।

Course Outcomes:

1. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा के विकास के महत्त्व को समझेंगे।
2. भाषाई कौशल विकास से परिचित होंगे।
3. इसके माध्यम से भाषा विज्ञान एवं विभिन्न भाषाओँ के विकास से अवगत होंगे।

Unit	**Course Content**	**Instruction Hours**
I	**सामान्य भाषा विज्ञान**	
	इकाई 1. भाषा : परिभाषा, प्रकृति और स्वरूप 2. भाषा के विविध रूप - बोली, उपभाषा, मानक भाषा आदि 3. भाषा विज्ञान : परिभाषा, क्षेत्र, प्रकार और अध्ययन की प्रणालियाँ 4. भाषा विज्ञान का इतिहास : भारतीय और पाश्चात्य परंपरा	15
II	**भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाएँ**	

	इकाई 5. ध्वनि विज्ञान 6. शब्द विज्ञान और रूप विज्ञान 7. वाक्य विज्ञान 8. अर्थ विज्ञान	15
खंड-III	**हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास**	
	इकाई 9. भाषा परिवार एवं भारतवर्ष की भाषाएँ 10. भारतीय आर्य भाषाओं का विकास 11. हिंदी की बोलियाँ 12. हिंदी के विविध रूप	15
खंड-IV	**हिन्दी रूप रचना**	
	इकाई 13. हिंदी भाषा का व्याकरण : एक परिचय 14. हिन्दी शब्द रचना 15. हिंदी का भाषिक स्वरूप और स्वनियिकी 16. लिपि विज्ञान	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2	भाषा शास्त्र की रूपरेखा : डॉ. उदयनारयण तिवारी
3	भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
4	भाषा: ट्रांस्लेशन आफ ब्लूम फील्डस् लेंग्वेज : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद
5	आधुनिक भाषा विज्ञान : कृपाशंकर सिंह
6	आधुनिक भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
7	भाषा वैज्ञानिक निबंध : हेमचंद जोशी
8	भाषा विज्ञान पर भाषण : मैक्समूलर (अनु)
9	तुलनात्मक भाषा विज्ञान : राधेश्याम शर्मा

10	हिन्दी भाषा अतीत और वर्तमान : डॉ. अम्बाप्रसाद सुमन
11	Language and its Structure : Lenger. R.W.
12	Descriptive Linguistic : Lehaman
13	Words and Things : Brown Raser
14	A Study of Writings : Jels . A.J.
15	Aspects of theory of Syntax : Chomnski . N
16	Reading is Linguistics : Joos, Martin
17	An Introduction to Theoretical Linguistics : John Loence
18	हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
19	भारतीय आर्य भाषाएँ और हिन्दी : डॉ. सुनीत कुमार वाजपेयी
20	हिन्दी साहित्य का बृहत्त इतिहास (भाषा खंड) : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा,
21	हिन्दी भाषा का विकास और विश्लेषण : डॉ. चन्द्रभान रावत
22	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ. उदयनारयण तिवारी
23	हिन्दी कारक, व्याकरण : बालचंद्र लक्ष्मीबाई
24	नागरी लिपि का उद्भव और विकास : डॉ. ओमप्रकाश भाटिया
25	हिन्दी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप : अंबाप्रसाद सुमन
26	भाषा - विश्लेषण : डॉ. मोतीलाल गुप्ता
27	हिन्दी कारकों का विकास : शिवनाथ
28	हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
29	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास : रामेश्वरनाथ भार्गव
30	हिन्दी शब्दों की विकास - कथा : डी. के. जैन
31	हिन्दी वाक्य रचना : चतुर्भुज सहाय

Course Title : **हिन्दी साहित्य में आधुनिक विमर्श के स्वर**

Course Code: MAHN301DST

Scheme of Instruction
Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination
Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य में आधुनिक विमर्श जैसे दलित विमर्श, मुस्लिम विमर्श, आदिवासी विमर्श, स्त्री विमर्श और उपेक्षित विमर्शों का परिचय कराना।
2. विमर्शों से जोड़कर रचनाओं की समीक्षा करवाना
3. विमर्शों की तुलना का परिचय देना।

Course Outcomes:

1. विविध विमर्शों के महत्त्व को समझेंगे।
2. साहित्य द्वारा भारतीय समाज की व्यवस्था से परिचित होंगे।
3. समकालीन समाज से विमर्शों के सन्दर्भ को समझेंगे।

खंड- I	**दलित विमर्श**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. विमर्श : अवधारणा और स्वरूप 2. हिंदी दलित साहित्य का विकास 3. दलित साहित्य सिद्धांत / सौंदर्यशास्त्र 4. जयप्रकाश कर्दम : मैं गूंगा नहीं था 5. सुशीला टाकभौरे : हमारे हिस्से का सूरज	15
खंड-II	**स्त्री विमर्श**	
	इकाई 6. स्त्री विमर्श का विकास 7. स्त्री विमर्श के सिद्धांत 8. नाटक : नादिरा ज़हीर बब्बर- 'जी जैसी आपकी मर्जी' का सारांश 9. नाटक : नादिरा ज़हीर बब्बर- 'जी जैसी आपकी मर्जी' का विश्लेषण	15

खंड-III	**मुस्लिम विमर्श**	
	इकाई 10. हिन्दी साहित्य में मुस्लिम संवेदना का विकास 11. हिन्दी की विविध विधाओं में मुस्लिम संवेदना 12. राही मासूम रजा के उपन्यास 'टोपी शुक्ला' का सारांश 13. राही मासूम रजा के उपन्यास 'टोपी शुक्ला' का विश्लेषण	15
खंड- IV	**आदिवासी विमर्श**	
	14. आदिवासी साहित्य का स्वरुप 15. आदिवासी साहित्य की परंपरा 16. निर्मला पुतुल : नगाड़ों की तरह बजते शब्द?	15

Examination and Evaluation Pattern:
Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1. 1	जी जैसी आपकी मर्ज़ी : नादिरा ज़हीर बब्बर
2	टोपी शुक्ल : राही मासूम रज़ा
3	भारतीय दलित साहित्य का विद्रोही स्वर : डॉ. विमल थोरात
4	दलित साहित्य का सौंदर्यशात्र : डॉ. शरण कुमार लिंबाळे
5	दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता
6	आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभयकुमार दुबे
7	दलित जीवन का अधिकार और निर्मला पुतुल की कविता : मीनी प्रिया आर
8	'हंस' पत्रिका अगस्त 2004 : सं. राजेंद्र यादव
9	दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर : डॉ. विमल थोरात
10	चिंतन की परंपता और दलित साहित्य : डॉ. श्योराज सिंह 'बेचैन', डॉ. देवेंद्र चौबे
10	दलित साहित्य सृजन के संदर्भ : डॉ. पुरोषत्तम सत्यप्रेमी
11	दलित चेतनाः सोच : सं. रमणिका गुप्ता
12	दलित साहित्यः रचना विचार : डॉ. पुरोषत्तम सत्यप्रेमी
13	भारतीय दलित साहित्य : तेजस्वी कट्टीमनी
14	स्त्रीवादी विमर्शः साहित्य और समाज : क्षमा शर्मा
15	औरत अपने लिए : लता शर्मा
16	स्त्री अस्मिता साहित्य और विचार : जगदीश्वर चतुर्वेदी, सुधा सिंह
17	हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे

18	मनुस्मृति में नारी : डॉ. सुमंगला झा
19	औरतें और आवाजें : क्षमा शर्मा
20	हम सभ्य औरतें : मनीषा
21	https://www.hindisamay.com

Course Title : दलित साहित्यः विशेष अध्ययन

Course Code: MAHN302DST

Scheme of Instruction

Total Duration : 60 Hrs
Periods / Week : 4
Credits : 4
Instruction Mode : Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score : 100
Internal Evaluation : 30
End Semester : 70
Exam Duration : 3 Hrs

Course Objectives:

1. दलित साहित्य के महत्त्व से परिचित कराना।
2. दलित आंदोलन इतिहास का एक अभिन्न अंग है । यह एक प्रकार से हाशिए के समाज से जुड़े लोगों का आंदोलन है । समय और समाज की आवश्यकता बनकर आज यह भारत के सभी प्रांतों में फैला है । यह आंदोलन भारतीय साहित्य को प्रभावित करते हुए अपनी नई धारा का निर्माण कर रहा है । अतःदलित साहित्य का विशेष अध्ययन सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों के साथ जोड़कर करना होगा ।

Course Outcomes:

इस अध्ययन के द्वारा छात्र-छात्रओं को हाशिए के सामाज से जुड़े लोगों की पीड़ा को समझने का अवसर मिलेगा। साहित्य एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा व्यक्ति अपने अनुभवों को संप्रेषित करने के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

खंड-I		Instruction Hours
इकाई	1. दलित साहित्य : एक परिचय 2. दलित आन्दोलन : स्वतन्त्रतापूर्व 3. दलित आन्दोलन : स्वातंत्र्योत्तर	15
खंड-II		
इकाई	4. हिन्दी दलित कविता : एक परिचय (भाषा एवं शैली) 5. ओमप्रकाश वाल्मीकि : एक परिचय (कवि) 6. बस बहुत हो चुका : आलोचना	15
खंड-III		
इकाई	7. दलित आत्मकथा : एक परिचय 8. रूपनारायण सोनकर : एक परिचय	15

	9. नागफनी : आलोचना	
खंड-IV		
इकाई	10. दलित कहानी : एक परिचय 11. जयप्रकाश कर्दम : एक परिचय 12. नो बॉर : आलोचना 13. सुशीला टाकभौरे : एक परिचय 14. संघर्ष : आलोचना 15. ओमप्रकाश वाल्मीकि : एक परिचय (कहानीकार) 16. बैल की खाल : आलोचना	15

Examination and Evaluation Pattern:
Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	नागफनी : रूपनारायण सोनकर
	साहित्य और दलित चेतना- महीप सिंह
2	शोषित समाज की दिशा और दशाः समग्र मूल्यांकन-डॉ. आर.एम.एस विजयी
3	सामाजिक न्याय एवं दलित संघर्ष - रामगोपाल सिंह
4	दलित चेतना साहित्य - रमणिका गुप्ता
5	दलित चेतना सोच - रमणिका गुप्ता
6	दलित विमर्श की भूमिका - कंवल भारती
7	भारत में जातिवाद और हरिजन समस्या - जगजीवन राम
8	दलित साहित्य चिंतन के विविध आयाम - डॉ.एन. सिंह
9	दलित साहित्य और सामाजिक न्याय - डॉ.पुरुषोत्तम सत्य प्रेमी
10	हिंदी काव्य में दलित काव्य धारा - सं.ठाकुर प्रसाद शाही

Course Title : अनुवाद सिद्धांत

Course Code : MAHN401CCT

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. अनुवाद सिद्धांत के अंतर्गत विद्यार्थियों को अनुवाद का महत्त्व स्पष्ट करना।
2. अनुवाद के प्रकार, अनुवाद के गुण और अनुवाद के में जानकारी देना।
3. अनुवाद के प्राचीन और नवीन सिद्धांतों का उल्लेख होगा।

Course Outcomes:

1. अनुवाद सिद्धांत के महत्त्व को समझेंगे।
2. अनुवाद के प्राचीन और नवीन सिद्धांतों का परिचय प्राप्त करेंगे।
3. भारतीय और पाश्चात्य अनुवाद सिद्धांत के विभिन्न आयामों से अवगत होंगे।

खंड-1	**अनुवाद की सैद्धांतिकी**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप 2. अनुवाद : प्रकार और प्रक्रिया 3. अनुवाद और भाषा विज्ञान का अन्तः संबंध 4. अनुवाद का महत्त्व, सार्थकता और उपयोगी	15
खंड-II	**साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ**	
	इकाई 4. काव्यानुवाद की समस्याएँ 5. कथा साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ	15

	6. नाटक के अनुवाद की समस्याएँ 7. सांस्कृतिक पाठ के अनुवाद की समस्याएँ	
खंड-III	**साहित्येतर अनुवाद की समस्याएँ**	
	इकाई 9. वैज्ञानिक एवं तकनीकी के अनुवाद की समस्याएँ 10. पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएँ 11. मानविकी अनुवाद के अनुवाद की समस्याएँ 12. विधि अनुवाद के अनुवाद की समस्याएँ	15
IV	**व्यवहारिक अनुवाद**	
	इकाई 13. हिन्दी से अंग्रेजी/तेलुगु में कहानी का अनुवाद 14. अंग्रेजी/तेलुगु से हिन्दी में कहानी का अनुवाद 15. अंग्रेज़ी से हिंदी में कविता का अनुवाद 16. हिंदी से अंग्रेज़ी में कविता का अनुवाद	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	अनुवाद कला: सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया
2	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. जी. गोपीनाथन
3	अनुवाद कला : एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
4	अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी.
5	काव्यानुवादः अध्ययन और अनुप्रयोग : डॉ. चंद्रभान रावत, दिलीप सिंह
6	अनुवाद विज्ञान : डॉ. नगेंद्र
7	Linguistic Theory of Translation : J.C.Catford, OUP, London
8	On Translatio : P.A Brown, OUP, London
9	A Text Book of Translation : P.P. Newmark, Prentice Hall,London
10	The Theory and Practice of Translation : E.A.Nida and C. Taber, Leyden Biil

Course Title: भारतीय साहित्य

Course Code:MAHN402CCT

Scheme of Instruction

Total Duration	:	60 Hrs
Periods / Week	:	4
Credits	:	4
Instruction Mode	:	Lecture

Scheme of Examination

Maximum Score	:	100
Internal Evaluation	:	30
End Semester	:	70
Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. भारतीय साहित्य के महत्त्व को बताना।
2. भारत विभिन्न जाति और प्रजातियों तथा विभिन्न भाषाओं का देश है। यहाँ अनेकता में एकता पाई जाती है, छात्र इस विषय के माध्यम से भारत की विभिन्न भाषाओं के साहित्य से अवगत होंगे।
3. हिंदीतर भारतीय भाषाओँ के साहित्य से परिचय कराना।

Course Outcomes:

1. भारतीय साहित्य के महत्त्व को समझेंगे।
2. देश की विभिन्न भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करके भारतीयता की भावना उत्पन्न कराना।
3. हिंदीतर भारतीय भाषाओँ के साहित्य से अवगत होंगे।

खंड-I	**भारतीय साहित्य : प्रविधि**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. भारतीय साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप 2. भारतीय साहित्य का अंतः संबंध 3. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं विकास 4. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ 5. भारतीय साहित्य की मुख्य धाराएँ	15
खंड-II	**हिंदीतर भारतीय साहित्य**	

	इकाई 6. तेलुगु साहित्य का संक्षिप्त इतिहास: भाग-1(मध्यकाल तक) 7. तेलुगु साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : भाग-2(आधुनिक काल) 8. बांग्ला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास :भाग-1(मध्यकाल तक) 9. बांग्ला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : भाग-2(आधुनिक काल)	15
खंड-III	**भारतीय उपन्यास और नाटक**	
	इकाई 10. कन्नड़ उपन्यासः संस्कार- यू.आर. अनंत मूर्ति 11. मराठी नाटकः घासीराम कोतवाल- विजय तेंदुलकर 12. तेलुगु उपन्यासः आखिर जो बचा- बुच्चिबाबु	15
खंड-IV	**हिंदीतर भारतीय कविता**	
	इकाई 13. पंजाबी कविताः बीच का रास्ता नहीं होता कविता संग्रह (मेरी माँ की आँखें, भारत, हम लडेंगे साथी, रिहाईः एक प्रभाव, घास)- पाश 14. उड़िया कविताः वर्षा की सुबह कविता संग्रह (वर्षा की सुबह, मृत्यु, शब्द अब शब्द नहीं, हरि सिंगार का स्वप्न, अधेड़)-सीताकांत महापात्र 15. मलयालम कविताः कण्डत्ति, लौह लेखनी, वल्मीकी पर्व, ब्रह्मणिज़्म)- राघवन अत्तोली 16. तेलुगु कविताः जल रहीं झोंपड़ियाँ कविता संग्रह (जल रही हैं झोंपड़ियाँ, धर्म, जाति–पाँति, चढ़ने दीजिए ऊपर की सीढ़ी, न बदलने वाला, हम आधुनिक हैं)- बोई भीमन्ना	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	संस्कार : यू आर अनंतमूर्ति
2	घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर
3	आखिर जो बचा : बुच्चिबाबू
4	बीच का रास्ता नहीं होता : पाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5	वर्षा की सुबह : सीताकांत महापात्र, पाश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6	जल रही झोंपड़ियाँ : डॉ. बोई भीमन्ना, अनुवादक डॉ. जी. वी. रत्नाकर, गीता पुस्तक केंद्र
7	भारतीय साहित्य : सं.डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन

8	भारतीय साहित्य : सं. डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ.प्रमिला अवस्थी, ज्ञानोदय प्रकाशन
9	भारतीय एकता : रामधारी सिंह दिनकर, उदयांचल, पटना
10	भारतीय साहित्यः रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11	भारतीय कला के आयाम : निहार रंजनरे, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली
12	भारतीय साहित्य की रूपरेखा : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा विद्या भवन, वारणासी
13	भारतीय कला शास्त्र : सुरेश अग्रवाल, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
14	भारतीय साहित्य की समस्याएँ : ई.पी.चेलिशेव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15	भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली,
16	भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
17	भारतीय साहित्य : तुलनात्मक अध्ययन : ब्रजेश्वरवर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर,आगर.
18	भारतीय साहित्य दर्शन: कृष्णलाल हंस ग्रंथम, रामबाग़, कानपुर
19	भारतीय साहित्य भक्ति धारा :परशुराम चतुर्वेदी, भारतीभंड़ार, इलाहाबाद
20	भारतीय साहित्य में रामकथा: विमलकुमार, राजकमल, दिल्ली
21	भारतीय साहित्य में राधा : कल्याणमललोढ़ा, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, नईदिल्ली
22	संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर,उदयांचल, राजेंद्रनगर, पटना
23	मलयालम में दलित साहित्यः दृष्टि और सृष्टि: संपादक : अच्युतन,कालिकट विश्वविद्यालय,
24	Indian poetry today :(Vols.1/2/3/4)I.C.C.R New- Delhi
25	Comparative Literature:(E.d.),K.M.George, (2vols)Macmillan,New Delhi
26	Some Problems of Indian Literature: M.Wiontemitz, Bharatiya Book Corporation, Delhi

Course Title : जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी

Course Code: MAHN403CCT

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. मीडिया एवं हिंदी के उद्देश्य को बताना।
2. हिंदी मीडिया के विविध क्षेत्रों से परिचय करना
3. प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भाषाई ज्ञान से अवगत कराना।

Course Outcomes:

1. मीडिया एवं हिंदी के महत्त्व को समझेंगे।
2. हिंदी मीडिया के विविध क्षेत्रों से परिचित होंगे।
3. प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भाषाई ज्ञान से अवगत होंगे।

खंड-I	**जन संचार और पत्रकारिता**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. जनसंचार : अर्थ, परिभाषा, प्रकार और माध्यम 2. पत्रकारिता और संपादन कला 3. समाचार : परिचय : परिभाषा, स्रोत और लेखन 4. हिंदी के विकास में पत्रकारिता की भूमिका	15
खंड-II	**रेडियो**	
	इकाई 5. रेडियो की विकास यात्रा 6. रेडियो कर्यक्रम के प्रकार 7. रेडियो लेखन-1 वार्ता, फीचर 8. रेडियो लेखन-2 विज्ञापन एवं अन्य	15
खंड-III	**टेलिविजन**	
	इकाई	15

	9. टेलिविजन की विकास यात्रा 10. उपग्रह चैनल 11. टेलीविजन लेखन-1 धारावाहिक, वृतचित्र 12. टेलीविजन लेखन-2 विज्ञापन एवं अन्य	
खंड-IV	**सिनेमा**	
	1. सिनेमा की विकास यात्रा 2. सिनेमा के प्रकार 3. पटकथा लेखन 4. संवाद लेखन	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation — Maximum Marks : 30

End Semester Exam — Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	पत्रकारिता : नया दौर, नये प्रतिमान : संतोष भारतीय
2	सूचना प्रौद्योगिकी और समाचारपत्र : संतोष भारतीय
3	समाचारपत्र प्रबंधन : डॉ. गुलाब कोठारी
4	हिंदी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन : तरुशिखा सुरजन
5	मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएं : डॉ. अर्जुन चौहान
6	फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प : डॉ. मनोहर प्रभाकर
7	रेडियो नाटक की कला : डॉ. सिद्धनाथ कुमार
8	रेडियो वार्ता-शिल्प : डॉ. सिद्धनाथ कुमार
9	भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया : मधुकर लेले
10	टेलीविज़न की भाषा : हरीशचंद बर्णवाल
11	टेलीविज़न लेखन : असगर वजाहत

Course Title : हिन्दी एवं मीडिया

Course Code : PGHN401GET

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. जनसंचार माध्यम एवं हिंदी के अंतर्गत छात्रों को आजकल के समाज में जनसंचार का महत्व का दर्शाया जाएगा।
2. उसके द्वारा हिंदी का प्रचार एवं प्रसार उनकी विशेषताओं उपयोगिता के बारे में बताना समझाना इसका उद्देश है।

Course Outcomes:

1. जनसंचार माध्यम एवं हिंदी के विषय के अंतर्गत विविध जनसंचार माध्यमों की उपयोगिता का ग्रहण करेंगे।
2. उसके मूलभूत तत्वों, विशेषताओं, उसके परिचय, हिंदी का महत्व,भाषा और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम का परिचय ग्रहण करेंगे।

Unit	Course Content	Instruction Hours
I	**जन संचार की परिभाषा और महत्व** **पत्रकारिता :** 1.पत्रकारिता की परिभाषा 2. पत्रकारिता के प्रकार 3. फीचर लेखन	15
II	**रेडियो** 1. रेडियो का परिचय 2. रेडियो कर्यक्रम के प्रकार 3. रेडियो लेखन : वार्ता, फीचर, विज्ञापन	15
III	**टेलिविजन** 1. टेलिविजन की विकास यात्रा 2. उपग्रह चैनल 3. टेलीविजन लेखन : धारावाहिक, वृतचित्र, विज्ञापन	15
IV	**सिनेमा** 1. सिनेमा की विकास यात्रा 2. सिनेमा के प्रकार 3. पटकथा लेखन	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30
End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	लोक संस्कृति और इतिहास : बद्रीनारायण (कथ्यरूप पुस्तिका)
2	अनपढ़ बनाये रखने की साजिश : राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन,दिल्ली।
3	परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम : पूरनचंद जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4	प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता : डी. डी. कोशाम्बी (अनु) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5	भारत का इतिहास : रोमिला थापर (अनु), राजकमल, दिल्ली।
6	कला साहित्य और संस्कृति : ई.एम.एस. नंबूदरीपाद, नेशनल बुक सेंटर, दिल्ली
7	साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पांड़ेय, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, चंड़ीगड़।
8	साहित्य की पारिस्थिकी : राजेंद्र प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9	Selection from Cultural Writings **:** Antonio, Gramsi, London, 1985
10	Cultural Creation In Modern Society **:** Lucuen Goldmen, The Cambridge University Press, 1975
11	Literature Popular Culture and Society **:** Leo Lowenthol, New-Jersy,1961
12	Delightful Murder **:** Franest Mandel, University ofMinnesota,1984 13. The Myth of Mass Culture : Alan wingwood,Macmillan,London,1977

Course Title : लोक साहित्य और संस्कृति

Course Code: MAHN401DST

Scheme of Instruction			**Scheme of Examination**		
Total Duration	:	60 Hrs	Maximum Score	:	100
Periods / Week	:	4	Internal Evaluation	:	30
Credits	:	4	End Semester	:	70
Instruction Mode	:	Lecture	Exam Duration	:	3 Hrs

Course Objectives:

1. लोक साहित्य के महत्त्व को बताना।
2. लोक साहित्य के विभिन्न अंगों से परिचित कराना।
3. भारतीय समाज में लोक साहित्य की दीर्घ परंपरा को बताना।

Course Outcomes:

1. लोक साहित्य के महत्त्व को समझेंगे।
2. लोक साहित्य के विभिन्न अंगों से परिचित होंगे।
3. भारतीय समाज में लोक साहित्य की दीर्घ परंपरा को जानेंगे।

खंड-I		**Instruction Hours**
	इकाई 1. मौखिक और लिखित परम्पराएँ 2. लोक साहित्य : एक परिचय, लोक साहित्य और साहित्य में अंतर 3. लोक साहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध-1 इतिहास, पुरातत्व, मानव विज्ञान, समाज विज्ञान, 4. लोक साहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध-2 मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान और धर्मशास्त्र	15
खंड-II	5. लोक साहित्य का सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय भाव 6. लोक साहित्य : संकलन, उद्देश्य, बाधक तत्व एवं पद्धतियाँ 7. लोकवार्ता : एक परिचय	

खंड- III	**इकाई** 8. लोकगीत : एक परिचय, लोकगीत तथा अन्य गीतों में अंतर 9. लोकगीत के मुख्य प्रकार : सोहर, कजरी, होली गीत, लोरी,सावन गीत तथा लावणी 10. लोकगाथा : एक परिचय, लोकगाथा और लोकगीत में अंतर 11. लोक कथा : एक परिचय, वर्गीकरण	15
खंड-IV		
	इकाई 12. लोक नाटक : एक परिचय, लोक नाटक और नाटक में अंतर 13. लोक नाटक-1 : रामलीला, रासलीला, भवाई, ख्याल, यक्षगान 14. लोकनाटक-2 : तमाशा, नाच, नौटंकी, कुचुपुड़ी, ललित 15. लोकोक्ति : एक परिचय 16. लोकोक्तियाँ : कहावतें, मुहावरा, पहेलियाँ, सूक्ति	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1	ब्रज भाषा की कहानियाँ : रामनारायण अग्रवाल
2	उत्तर प्रदेश के लोक गीत : सूचना विभाग उत्तर प्रदेश सरकार
3	भारतीय लोक साहित्य : डॉ. श्याम परमार
4	लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन : डॉ. कुलदीप
5	अवधी का लोक साहित्य : डॉ. सरोजिनी रोहतगी
6	लोक साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
7	खड़ीबोली का लोक साहित्य : डॉ. सत्या गुप्त
8	लोक नाट्य परंपरा और प्रवृत्तियाँ : डॉ. महेन्द्र भानावल
9	लोकधर्मी नाट्य परंपरा : डॉ. श्याम परमार
10	हिन्दी साहित्य का बृहत्त इतिहास : (षोड़श भाग)
11	महाराष्ट्र का हिन्दी लोक काव्य : डॉ. कृष्ण दिवाकर
12	लोक साहित्य-सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. श्रीराम वर्मा
13	लोक साहित्य के आयाम : जगदीश प्रसाद पियूष
14	लोक वार्ता की पद्धतियाँ : डॉ. सत्येन्द्र
15	आंध्र के लोकगीत : डॉ. राज शेषगिरी राव

16	तेलुगु और हिन्दी लोकोक्तियाँ : तुलनात्मक अध्ययन डॉ. वै. वेंकटरमण राव
17	लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा : एम. शर्मा
18	लोक कथा विज्ञान : श्रीचंद जैन
19	मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में लोकवार्ता : डॉ. सत्येन्द्र
20	लोक साहित्य का अध्ययन : टी. पांडेय
21	रामचरित मानस में लोकवार्ता : डॉ.चंद्रभान रावत
22	लोक साहित्य : डॉ. सुरेश गौतम

Course Title : विशेष अध्ययन (प्रेमचंद)

Course Code: MAHN402DST

Scheme of Instruction		**Scheme of Examination**	
Total Duration	: 90 Hrs	Maximum Score	: 100
Periods / Week	: 6	Internal Evaluation	: 30
Credits	: 6	End Semester	: 70
Instruction Mode	: Lecture	Exam Duration	: 3 Hrs

Course Objectives:

1. साहित्य में प्रेमचंद के महत्त्व स्पष्ट करना।
2. भारतीय समाज में प्रेमचंद के कथा साहित्य की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3. प्रेमचंद के कथेतर साहित्य से भी परिचय कराना।

Course Outcomes:

1. साहित्य में प्रेमचंद के महत्त्व को समझेंगे।
2. भारतीय समाज में प्रेमचंद के कथा साहित्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे।
3. प्रेमचंद के कथेतर साहित्य से भी परिचित होंगे।

खंड-I	**प्रेमचंद और राष्ट्रीय आन्दोलन**	**Instruction Hours**
	इकाई 1. प्रेमचंदकालीन समाज और साहित्य 2. प्रेमचंदयुगीन परिदृश्य : राष्ट्रीय मुक्ति आन्दोलन 3. प्रेमचंदयुगीन श्रमजीवी संगठन और आन्दोलन 4. प्रेमचंद : एक परिचय	15
खंड-II	**प्रेमचंद : उपन्यास साहित्य**	
	इकाई 5. प्रेमचंद का उपन्यास साहित्य : रचनात्मक और वैचारिक विकास, प्रेमचंद की उपन्यास कला 6. 'गोदान' का तात्विक विवेचन	15

	7. गोदान : कृषक जीवन का महाकाव्य 8. गोदान : पात्र एवं चरित्र-चित्रण	
खंड- III	**प्रेमचंद : कहानी साहित्य**	
	इकाई 9. कफ़न : सारांश एवं पात्रों का विवेचन 10. शतरंज के खिलाड़ी : सारांश एवं पात्रों का विवेचन 11. जुलूस : सारांश एवं पात्रों का विवेचन 12. ठाकुर का कुंआँ : सारांश एवं पात्रों का विवेचन	15
खंड-IV	**कथेतर साहित्य : पत्रकारिता, निबंध और नाटक**	
	इकाई 13. प्रेमचंद की पत्रकारिता 14. निबंध : 'महाजनी सभ्यता' की विवेचना 15. निबंध : 'साहित्य का उद्देश्य' की विवेचना 16. नाटक : 'कर्बला' की विवेचना	15

Examination and Evaluation Pattern:

Internal Evaluation Maximum Marks : 30

End Semester Exam Maximum Marks : 70

Text Books and References:

1.	गोदान : प्रेमचंद
	प्रतिनिधि कहानियाँ (प्रेमचंद) : भीष्म साहनी
	कर्बला : प्रेमचंद
	हिंदी उपन्यास : राष्ट्र और हाशिया : शम्भुनाथ
	प्रेमचंद : कलम का सिपाही : अमृतराय
2.	प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
3.	प्रेमचंद और गांधीवाद : रामदीन गुप्त
4.	प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा नव मूल्यांकन : शैलेश ज़ैदी
5.	प्रेमचंद और जनवादी साहित्य की परंपरा : कुंवरपाल सिंह
6.	प्रेमचंद और उनकी कहानी कला : सत्येन्द्र
7.	प्रेमचंद के निबन्ध साहित्य में सामाजिक चेतना : अर्चना जैन
8.	प्रेमचंद का कथेतर गद्य : भरत सिंह
9.	प्रेमचंद घर में : शिवरानी देवी
10	प्रेमचंद और अछूत समस्या : कांति मोहन

11.	प्रेमचंद और किसान आन्दोलन : रामबक्ष
12	https://www.hindisamay.com